हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस
वर्ष : 12 अंक : 128 देहरादून, शुक्रवार, 10 नवंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सीएम धामी की मौजूदगी में सजा गैरसैंण, दिखे भव्य नज़ारे 8

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सीएम धामी ने की महत्वपूर्ण घोषणाएं

राज्य में महिला नीति को शीघ्र लागू किया जाएगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 नवंबर : उत्तराखंड के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर पुलिस लाईन, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर मा. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने समस्त उत्तराखंड वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अपने संबोधन में मा. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि राज्य गठन के बाद नई पहचान के साथ उत्तराखंड के परिश्रमी लोगों ने राज्य के लिए विकास और प्रगति के नित-नूतन शिखरों पर अपने कदम जमाए हैं। भगवान शिव और भगवान विष्णु के आशीर्वाद-स्वरूप देवालयों से पवित्र उत्तराखंड को 'देव-भूमि' कहने की परंपरा वंदनीय है।

पर्वतराज हिमालय की पुत्री देवी पार्वती एवं शक्ति के अन्य पूजनीय स्वरूपों से ऊर्जा प्राप्त करने वाली तथा गंगा-यमुना जैसी नदी-माताओं के स्नेह से सिंचित यह पावन धरती 'देवी-भूमि' भी है। यह क्षेत्र 'जय महा-काली' और 'जय बदरी-विशाल' के पवित्र उद्घोष से गुंजायमान रहता है। हेमकुन्ट साहिब और नानक-मत्ता से निकले गुरबानी के स्वर यहां के वातावरण को पावन बनाते हैं। मा. राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले वर्ष दिसंबर के महीने में मुझे उत्तराखंड की यात्रा करने का सु-अवसर मिला था। उत्तराखंड में आने का प्रत्येक अवसर तीर्थ-यात्रा का पुण्य प्राप्त करने की तरह होता है। उत्तराखंड की इस देव-भूमि से मैं सभी देशवासियों के लिए दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं व्यक्त करती हूं और महा-लक्ष्मी से यह प्रार्थना करती हूं कि उत्तराखंड सहित समस्त भारत को वे धन-धान्य तथा सुख और आरोग्य से परिपूर्ण करें।

मा. राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तराखंड की अलग पहचान और स्थापना के लिए संघर्ष करने वाली स्वर्गीय श्रीमती सुशीला बलूनी जी को इस राज्य के सभी निवासी तो याद रखेंगे ही, नारी में संघर्ष की शक्ति के उदाहरण के रूप में उन्हें सभी देशवासी सदैव स्मरण करेंगे। श्रीमती सुशीला बलूनी जी का अदम्य साहस यहां की महिलाओं की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप था। श्रीमती बिशनी देवी शाह ने स्वाधीनता संग्राम के दौरान अपने असाधारण साहस का परिचय दिया था। माउण्ट एवरेस्ट पर हमारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाली प्रथम महिला बछेन्द्री पाल जी और पेड़ों को बचाने के लिए युद्ध-स्तर पर संघर्ष करने वाली गौरा देवी जैसी उत्तराखंड की महिलाओं ने पूरे देश के लिए आदर्श प्रस्तुत किए हैं। हाल ही में उत्तराखंड की बेटी वंदना कटारिया ने एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसी महिलाओं ने उत्तराखंड की संस्कृति को मजबूत बनाया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को अनुमति प्रदान करते समय मुझे विशेष प्रसन्नता हुई थी क्योंकि वह अधिनियम उत्तराखंड सहित हमारे देश की बहनों और बेटियों के लिए राष्ट्र-निर्माण में उच्च-स्तरीय योगदान देने हेतु मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि वीर-प्रसवा रही है। स्वाधीनता के बाद के सभी युद्धों में उत्तराखंड के वीरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। मैं उन सभी वीरों को और वीर-भूमि उत्तराखंड को नमन करती हूं। भारतीय सेना में शामिल होकर भारत-माता की रक्षा करने में यहां के युवा गर्व की अनुभूति करते हैं। राष्ट्र की रक्षा के प्रति उत्साह का यह भाव सभी देशवासियों के लिए अनुकरणीय है। हमारी थल सेना के दो रेजीमेण्टस कुमाऊं रेजीमेण्ट एवं गढ़वाल रेजीमेण्ट का नाम उत्तराखंड के क्षेत्रों के आधार पर रखा गया है। यह उत्तराखंड की शौर्य परंपरा को रेखांकित करता है। भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ बिपिन रावत जी इसी धरती के सपूत थे। हमारे वर्तमान चीफ ऑफ डिफेन्स स्टाफ जनरल अनिल चौहान जी उत्तराखंड के ही निवासी हैं।

मा. राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तराखंड की फिजिकल एवं डिजिटल कनेक्टिविटी निरंतर बढ़ाई जा रही है। भारत की अध्यक्षता में हुए जी 20 से जुड़ी गतिविधियों के क्रम में जी 20 के इन्फ्रस्ट्राक्चर की एक बैठक ॠषिकेश में सम्पन्न हुई थी। उस बैठक में विश्व-स्तरीय इन्फ्रस्ट्राक्चर के निर्माण से जुड़ी सार्थक चर्चाएं हुईं। उत्तराखंड में इन्फ्रस्ट्राक्चर डेवपलपमेंट तेज गति से हो रहा है। साथ ही, आपदा प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उत्तराखंड में हो रही बहु-आयामी प्रगति से निवेशकों में उत्साह बढ़ रहा है। मुझे बताया गया है कि दिसंबर में देहरादून में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा। इस जानकारी से मुझे प्रसन्नता हुई है कि पिछले सप्ताह तक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारी के लिए आयोजित रोड शॉ में 81,500 करोड़ रुपए से अधिक के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा चुके थे और इस राशि में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। निवेशकों में उत्तराखंड के प्रति बढ़ते उत्साह को कार्यरूप देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों से उत्तराखंड के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

जरूरतमंद परिवारों हेतु ''मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह'' योजना शुरू की जाएगी

ड्रग फ्री उत्तराखंड के स्वप्न को साकार करने के लिए ''नशा मुक्त ग्राम'' और ''नशा मुक्त शहर'' की योजना

मा. राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि उत्तराखंड के विकास में ईकॉलॉजी एवं ईकॉनॉमी दोनों पर ज़ोर दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा ग्रॉस इन्वायरमेंट प्रॉडक्ट यानी जीईपी का आकलन करने की पहल सराहनीय है। प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण इस राज्य में स्टेट जीडीपी के साथ साथ स्टेट जीईपी पर ध्यान देने से सतत विकास को बल मिलेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं उत्तराखंड के निरंतर विकास के लिए राज्य के सभी निवासियों को शुभकामनाएं देती हूं। राज्य के विकास को राज्यपाल के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री जी के सक्रिय नेतृत्व से दिशा और शक्ति प्राप्त हो रही है। इसके लिए उन्होंने दोनों की तथा राज्य सरकार की पूरी टीम की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा विश्वास है कि देवी-देवताओं के विशेष आशीर्वाद से समृद्ध इस पावन भूमि के निवासी-गण सुख, समृद्धि और विकास की नई ऊंचाइयों तक अवश्य पहुंचेंगे।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अमर शहीदों और वीर आंदोलनकारियों को नमन किया। उन्होंने राष्ट्रपति का हार्दिक आभार और अभिनंदन करते हुए कहा कि उनकी गरिमामयी उपस्थिति से पूरा उत्तराखंड उल्लासित हुआ है। उन्होंने राज्य गौरव सम्मान से सम्मानित होने वाले महानुभावों को भी बधाई दी।राज्यपाल ने कहा कि हम डिजिटल क्रांति के युग में आगे बढ़ रहें हैं। साइबर सिक्योरिटी हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है इस दिशा में नई से नई टेक्नोलॉजी को सुरक्षा उपायों में शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहे है। सरकार पारदर्शी और प्रोएक्टिव पुलिसिंग को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। महिला सुरक्षा, बालिका सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए अपराधों पर नियंत्रण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज उत्तराखण्ड विकास के कई पैमानों पर देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है।राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड की इस पवित्र धरती पर देश-विदेश के कोने-कोने से लोग यात्रा करने आते हैं। आदि कैलाश और जागेश्वर धाम में प्रधानमंत्री के भ्रमण से मानसखण्ड क्षेत्र को देश और दुनिया में एक नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा कि सीमांत गांव हमारे देश के पहले गांव बन गये हैं इनका इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड की महिलाएँ परिश्रमी एवं सशक्त हैं तथा सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रदेश में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड आर्थिक प्रगति की दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उत्तराखण्ड राज्य की विकास दर और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि विकास का समान लाभ गरीबों वंचितों किसानों और उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों में रह रही माताओं, बहनों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों तक पहुंचे। प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ एवं बधाई देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड राज्य निर्माण में अपना योगदान देने वाले सभी अमर शहीदों एवं राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने भारत माता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले उत्तराखंड के वीर जवानों को भी उत्तराखंड की समस्त जनता की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस के उन शहीद जवानों व अधिकारियों का भी स्मरण किया जिन्होंने प्रदेश एवं समाज में शांति स्थापित करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि इस पावन अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न परम श्रद्धेय स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी का भी स्मरण करना आवश्यक है जिनके प्रधानमंत्रित्व काल में उत्तराखंड राज्य का स्वप्न साकार हुआ था। यह हमारा कर्तव्य है कि स्वर्गीय अटल जी द्वारा पुष्पित और पल्लवित इस युवा उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ निरंतर प्रयासरत रहें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आदरणीय राष्ट्रपति जी का अत्यंत कठिन जीवन संघर्ष, आपका अदम्य साहस और प्रेरणास्पद राजनीतिक यात्रा प्रत्येक भारतीय को प्रेरित करती है।

शेष खबर पेज 3 पर

अनोखा रेलवे स्टेशन, जिसे मिलकर चलाते हैं गांव के लोग, खुद काटते हैं टिकट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 नवंबर : भारत के लिए रेलवे उसकी रीढ़ की हड्डी जैसा है. देश के एक इलाके से दूसरे इलाके तक आसान और किफायती तरीके से पहुंचने में रेलवे बहुत मददगार साबित होता है. कई ऐसे अनोखे रेलवे स्टेशन हैं जिनके बारे में कई चीजें काफी अलग और अजीबोगरीब हैं. ऐसा ही एक अनोखा रेलवे स्टेशन राजस्थान में है. इस स्टेशन को सिर्फ गांव के लोग ही चलाते हैं. वही इसकी देखरेख करते हैं. हैरानी इस बात की है कि इस स्टेशन पर एक भी रेलवे का कर्मचारी नहीं है। सवाल "भारत का वो कौन सा रेलवे स्टेशन है जिसे गांव वाले मिलकर चलाते है?" जवाब कई लोगों को शायद नहीं पता होगा. तो चलिए आपको फटाफट बता देते हैं कि लोगों ने इसके बारे में क्या उत्तर दिया. आजम अली नाम के एक शख्स ने कहा- "राजस्थान के जालसू नानक रेलवे स्टेशन एक ऐसा रेलवे स्टेशन है जिसको खुद ग्रामीण चलाते हैं. इस रेलवे स्टेशन की शर्त ये है कि इसे महीने में 1500 टिकट बेचना जरूरी क्योंकि ये रेलवे की शर्त है. राजस्थान में नागौर का जालसू नानक रेलवे स्टेशन, देश का पहला रेलवे स्टेशन है, जहां कोई रेलवे अधिकारी या कर्मचारी नहीं है. फिर भी यहां 10 से ज्यादा ट्रेनें रुकती हैं।

ऊपर दिया गया जवाब पूरी तरह सही है. जालसू नानक हॉल्ट रेलवे स्टेशन राजस्थान के नागौर जिले से करीब 80 किलोमीटर दूर है. यही देश का सबसे अनोखा स्टेशन है जिसे रेलवे कर्मी नहीं, बल्कि गांव वाले चलाते हैं. यहां पर गांव वाले टिकट बेचते हैं, स्टेशन की देखरेख करते हैं, और हर तरह का काम देखते हैं. साल 2022 की द न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार इन ग्रामीणों ने ऐसा 17 सालों तक किया है, पर अब वो रेलवे को स्टेशन का कार्यभार लौटाना चाहते हैं।

आपको बता दें कि जालसू नानक हॉल्ट रेलवे स्टेशन की शुरुआत 1976 में हुई थी जिससे सिपाहियों के मूवमेंट और उनके परिवार को सहूलियत मिल सके. रेलवे स्टेशन के पास मौजूद 3 गांव थे, जहां अधिकतर लोग सेना में थे. साल 2005 में रेलवे ने इस स्टेशन को बंद कर दिया था. इस वजह से गांव वालों ने विद्रोह करना शुरू कर दिया. रेलवे ने एक कंडीशन रख दी. उन्होंने कहा कि गांव वाले रेलवे स्टेशन को मैनेज कर सकते हैं, पर उन्हें 1500 टिकट हर महीने बेचने पड़ेंगे. गांव वालों ने इस वजह से स्टेशन को चलाया जिससे देश की सुरक्षा में लगे जवानों को किसी तरह की समस्या न पैदा हो. तब से इसका संचालन वो लोग कर रहे थे।

क्या आप जानते है गारंटी और वारंटी में क्या अंतर होता है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 नवंबर : सामान खरीदते वक्त आपने जरूर दुकानदार से पूछा होगा कि उसकी क्या गारंटी है! कई बार आपने उससे उस सामान की वारंटी भी पूछी होगी. ये दो ऐसे शब्द हैं जो एक दूसरे की जगह आसानी से इस्तेमाल किए जाते हैं, पर इनमें जमीन-आसमान का फर्क होता है. ऐसे कम ही लोग होंगे जिन्हें इन दो शब्दों के बीच का भेद पता होगा. अगर आपको भी नहीं पता, तो आपके लिए जान लेना बहुत जरूरी है क्योंकि ये दोनों शब्द सामानों को खरीदने के लिहाज से बहुत अहम हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर आम लोग अपने सवाल पूछते हैं और आम लोग ही उनके जवाब देते हैं. इस वजह से इस बात का दावा नहीं किया जा सकता कि वो जवाब पूरी तरह सही हैं. हर बार ये जरूरी नहीं है कि सवाल से जुड़े विषय का जानकार ही उसका जवाब दे. हाल ही में किसी ने कोरा पर पूछा- "गारंटी और वारंटी में क्या अंतर होता है, इसे कैसे समझें?" इन दो शब्दों का उपयोग हम रोजमर्रा के जीवन में कई बार कर लेते हैं. चलिए आपको बताते हैं कि लोगों ने इसका क्या उत्तर दिया।

क्रिशु नाम के एक व्यक्ति ने कहा- "गारंटी में वास्तु चेंज होती है और वारंटी में ठीक." गिरधर पटेल नाम के एक शख्स ने कहा- "गारंटी सामान को बदल कर दी जाने वाली सुविधा और वारंटी अर्थात उस सामान को फिर से ठीक करके वापस देने की सुविधा है." एक यूजर ने लिखा- "गैरेंटी और वारंटी दो शब्द हैं जो अक्सर एक ही अर्थ में उपयोग किए जाते हैं, लेकिन वास्तव में उनके बीच कुछ महत्वपूर्ण अंतर है. गारंटी एक वादा है जो एक विक्रेता या निर्माता किसी खरीदार को देता है कि उत्पाद एक निश्चित अवधि के लिए निश्चित मानकों या प्रदर्शन को पूरा करेगा. वहीं वारंटी एक कानूनी वादा है जो एक विक्रेता या निर्माता किसी खरीदार को देता है कि उत्पाद एक निश्चित अवधि के लिए निश्चित मानकों या प्रदर्शन को पूरा करेगा

लीगल सर्विसेज इंडिया वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार गारंटी का अर्थ है एक वादा, जो विक्रेता, ग्राहक से करता है कि कोई चीज तय मानकों के अनुरूप काम करेगी. अगर वो नहीं करती, तो उस सामान को बदलने का भरोसा दिलाया जाता है. वहीं वारंटी में सामान को रिपेयर किया जाता है. गारंटी आमतौर पर मौखिक होती है, लिखित नहीं. दूसरी ओर वारंटी लिखित होती है. अगर सामान को लेकर कानूनी पेचीदगी पैदा हो जाए, तब इन दो शब्दों का बहुत काम होता है.

क्या आपने कभी खाया है नीला सेब?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 नवंबर : आपने लाल, पीने और यहां तक कि हरे सेब भी देखे होंगे. लेकिन सोशल मीडिया पर इन दिनों नीले रंग का सेब चर्चा के केंद्र में है. कई लोग इसकी तस्वीरें शेयर कर सवाल पूछ रहे हैं कि क्या सच में नीला सेब होता है? आखिर इसकी खेती होती कहां है? इसका रंग नीला क्यों है? ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कोरा पर भी एक यूजर ने यही सवाल पूछा, जिसका एक अन्य यूजर ने जवाब दिया. आइए जानते हैं कि आखरि हकीकत क्या है। एक यूजर ने लिखा, नीला दिखने वाला सेब वास्तव में नीले रंग का नहीं होता. गहरे कृष्णवर्णी सेब को ही नीला सेब कहा जाता है. सेब सामान्य रूप से गुलाबी रंग के होते हैं. लेकिन वर्ण की वजह से ये हरे, पीले, लाल, सफेद आदि रंगों में नजर आते हैं.

मगर इसमें कोई भी ऐसा प्राकृतिक रसायन नहीं, जो सेब को नीले रंग का बना दे. इसलिए चमकीले नीले वर्ण के जो सेब इंटरनेट पर दिखाई देते हैं वे वास्तविक नहीं हैं। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि नीले सेब की खेती की जाती है और जापान में इसे उगाया जाता है. मगर इसमें सच्चाई नहीं है. नीले रंग के सेब किसी भी देश में प्राकृतिक रूप से नहीं पाए जाते, सिर्फ इनका जेनेटिक मॉडिफिकेशन करके इन्हें बनाया जा सकता है. कुछ साल से जापान और चीन में इस तरह के सेब बनाने की कोशिशें चल रही हैं ताकि ग्राहकों को एक अलग अहसास कराया जाए. लेकिन अब तक इसमें वैज्ञानिकों को पूरी सफलता नहीं मिल पाई है. ब्लू पेयरिंग एक अमेरिकी सेब है जिसे सबसे पहले 1833 से कुछ समय पहले चांस सीडलिंग द्वारा खोजा गया था. लेकिन इसे भी नीला सेब नहीं माना जाता।

आप कह सकते हैं कि काले रंग का सेब भी आता है, जिसे ब्लैक डायमंड कहते हैं. तो आपकी बात सही है. इस दुर्लभ सेब की खेती सिर्फ तिब्बत की पहाड़ियों पर होती है. तिब्बत में इस सेब का नाम 'हुआ नियु' है. देखने में यह काफी आकर्षक नजर आता है, लेकिन इसकी कीमत सुनेंगे तो दिमाग चकरा जाएगा. एक सेब की कीमत 1600 रुपये तक होती है. यह इतना महंगा इसलिए है क्योंकि समुद्र तल से 3100 मीटर की ऊंचाई पर इसकी खेती की जाती है. हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि इसका रंग भी एक खास वर्ण की वजह से है.

ये बीमारी होने पर लगती है बार-बार प्यास, नज़रअंदाज़ न करें ये लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 नवंबर : गर्मियों का मौसम शुरू हो चुका है. इस साल वक्त से पहले पड़ने वाली इस गर्मी ने लोगों पर कहर बरपाना शुरू कर दिया है. गर्मियों में गला सूखना और लगातार प्यास का एहसास होना काफी आम है. इसका सिंपल सा मतलब होता है कि आपके शरीर को पानी की जरूरत है ताकि, की समस्या से बचा जा सके.... वहीं, बार-बार गला सूखना और पानी की प्यास बहुत ज्यादा लगना किसी बड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है.... ऐसे में अगर आपको महसूस हो कि आपको पानी पीने के बाद भी बहुत ज्यादा प्यास लग रही है, और आप इस प्यास को कंट्रोल करने में असमर्थ हैं तो आपको डॉक्टर को जरूर दिखाना चाहिए.

यह समस्या होने पर डॉक्टर सबसे पहले डायबिटीज के टेस्ट के लिए बोलते हैं. क्योंकि यह समस्या डायबिटीज के आम लक्षणों में से एक है... लेकिन अगर आपका डायबिटीज टेस्ट ठीक है और इसके बावजूद भी आपको इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो जरूरी है कि आप थोड़ा गहराई में जाकर सोचें और पता लगाएं कि ऐसा क्यों है. बता दें कि पानी पीने के बावजूद भी बार-बार प्यास लगना आंत से जुड़ी किसी गंभीर बीमारी का संकेत हो सकता है....

बार-बार प्यास लगने का एक कारण आंत का कैंसर हो सकता है...

आंत आंत का कैंसर काफी धीमी गति से शरीर में बढ़ता है. इसके लक्षण काफी देर में नजर आते हैं. लेकिन अगर समय से पहले इसका पता चल जाए तो इस गंभीर बीमारी के खतरे से बचा जा सकता है. आंत का कैंसर होने पर कई लक्षण नजर आते हैं जैसे, दर्द, थकान महसूस करना,

भूख कम लगना, वजन कम होना आदि. अगर ये कैंसर शरीर के बाकी हिस्सों में फैलता है तो यह हाइपरलकसीमिया का कारण बन सकता है... यह तब होता है जब डैमेज हड्डियों से कैल्शियम ब्लड में रिलीज होता है, इससे मरीज को काफी ज्यादा प्यास लगती है...

ऐसी कई चीजें हैं जो आपके जोखिम को बढ़ा सकती हैं, जिनमें शामिल हैं -

उम्र- 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को इस बीमारी का सामना करना पड़ सकता है.

डाइट- रेड और प्रोसेस्ड मीट खाना और लो फाइबर डाइट लेने से आंत के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है.

वजन- ओवरवेट और मोटे लोगों में आंत के कैंसर का खतरा औरों की तुलना में ज्यादा होता है.

शराब- शराब का सेवन अधिक करने वाले लोगों को आंत के कैंसर का खतरा ज्यादा होता है.

फैमिली हिस्ट्री- जिन लोगों के माता-पिता को ये बीमारी हो चुकी है उनके बच्चों में भी इसके होने का खतरा काफी ज्यादा होता है...

उत्तराखंड : 7 जिलों में होगी बारिश बर्फबारी, शीतलहर की चपेट में केदारघाटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 10 नवंबर : मौसम विभाग की भविष्यवाणी एक बार फिर सच साबित हुई। उत्तराखंड में मौसम ने करवट बदली है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बारिश-बर्फबारी का दौर जारी है, जिससे यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है। बीते दिन केदारनाथ धाम में भी जमकर बर्फबारी हुई। जिसके बाद न्यूनतम तापमान माइनस सात तक पहुंच गया। शीतलहर चलने से पूरी केदारघाटी कड़ाके की ठंड की चपेट में है। यात्रियों को गर्म कपड़े साथ लाने की सलाह दी गई है।

10 नवंबर को देहरादून, टिहरी, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चमोली, रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश व बर्फबारी हो सकती है। अन्य जिलों में मौसम साफ रहने का अनुमान है। प्रदेश के 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात की संभावना जताई गई है। मैदानी इलाकों में कुहासे और धुंध के चलते लोगों की परेशानी बढ़ेगी। 10 नवंबर को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। बारिश-बर्फबारी के बाद चारधाम यात्रा जिलों में शीतलहर का प्रकोप जारी है, हालांकि लगातार बढ़ती ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में किसी तरह की कमी नहीं आई है।

हर दिन श्रद्धालु बड़ी तादाद में बदरीनाथ और केदारनाथ धाम की यात्रा पर पहुंच रहे हैं। अगर आप भी इन दिनों पहाड़ की यात्रा पर जा रहे हैं तो मौसम का विशेष ख्याल रखें। अपने साथ गर्म कपड़े ले जाना न भूलें। खराब मौसम में यात्रा न करें। वाहन चलाते वक्त सतर्कता बरतें।

देहरादून : रिलायंस ज्वैलर्स शोरूम में दिनदहाड़े बंदूक की नोक पर करोड़ों की लूट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 नवंबर : देहरादून के राजपुर रोड पर बड़ी डकैती की घटना हुई है। यहां दिनदहाड़े डकैतों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया। ये डकैती रिलायंस ज्वेलर्स के यहां हुई है। सूचना के अनुसार सुबह साढ़े 10 बजे की ये घटना है। यहां चार से पांच बदमाश रिलायंस ज्वेलर्स की दुकान में घुस गए। ये सभी हथियार से लैस थे।

बदमाशों ने यहां बंधक बनाकर इस डकैती की घटना को अंजाम दिया है। गहने न देने पर बदमाशों ने सुरक्षाकर्मी की पिटाई भी की। माना जा रहा है कि इन डकौतों ने 10 से 15 करोड़ के गहनों पर हाथ साफ किया है। राज्य स्थापना दिवस के दिन डकैती की इतनी बड़ी घटना हो जाने से सनसनी मची हुई है।

सुबह करीब साढ़े दस बजे शोरूम खुला था। पांच लोग ग्राहक बनकर अंदर घुसा और गन प्वाइंट पर कर्मचारियों को बंधक बना लिया। कर्मचारियों को पैंट्री में बंद कर दिए। सभी के हाथ प्लास्टिक की रस्सी से बांध दिया। बदमाश यहां से करोड़ों रुपए के हीरे और सोने के जेवरात लूट कर ले गए।दरअसल राज्य स्थापना दिवस पर पुलिस लाइन में कार्यक्रम हैं। इसी कार्यक्रम में सभी पुलिस व्यस्त थी। इसी बीच इतनी बड़ी डकैती की घटना हो गई। फिलहाल मौके पर पुलिस पहुंच गई हैं और स्टाफ से पूछताछ कर रही है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि घटना को चैलेंज के रूप में दून पुलिस ने स्वीकार किया है। उन्होंने साफ कहा कि जल्द ही बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस अब उन सिक्योरिटी गार्ड ओर स्टाफ का डाटा भी जुटा रही जो आजकल या कुछ समय पहले नौकरी छोड़कर गया हो। इसके अलावा पूर्व में हुई डकैती की घटनाओं की जानकारी भी जुटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले इसी तरह बड़ी घटना को नेहरू कॉलोनी में अंजाम दिया गया था। उस डकैती में शामिल आरोपियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस को शक है कि घटना में सहारनपुर गैंग का हाथ हो सकता है।

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सीएम धामी ने ...

राष्ट्रपति जी की जीवन यात्रा हम सबके लिए इसलिए भी प्रेरणादाई है, क्योंकि उन्होंने अपने जीवन में आई समस्त कठिनाइयों को अपनी शक्ति बनाकर जीवन समर में विजय प्राप्त की। राष्ट्रपति जी भारतवर्ष के समस्त नागरिकों विशेष रूप से गरीबों, शोषितों और वंचितों के लिए आशा की किरण हैं, वे सच्चे अर्थों में महिला सशक्तिकरण का जीता जागता प्रतीक हैं। राष्ट्रपति जी सदैव ''सादा जीवन-उच्च विचार'' के मूल मंत्र पर चलती रहीं और यही कारण है कि आज जन-जन के भीतर यही भाव है कि उनके बीच से निकली एक आम महिला देश कि प्रथम नागरिक है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हमारी सरकार उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए दिन रात कार्य कर रही हैं। हमारी सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है, जनता के प्रति जवाबदेह है, भरोसेमंद है तथा अपने कार्य में दक्ष है। 23 वर्ष में पहली बार बहुत से काम हुए हैं। 23 वर्ष में पहली बार भर्तियों में घोटाले करने वालों पर कड़ी क़ानूनी कार्रवाई के लिए हमने नकल विरोधी कानून लागू किया है। 23 वर्ष में पहली बार धर्मांतरण रोकने के लिए कानून लागू किया गया है। 23 वर्ष में पहली बार उत्तराखंड में सामान नागरिक आचार संहिता कानून लागू करने के लिए तैयारी की जा रही है। 23 वर्ष में पहली बार प्रदेश की महिलाओं के लिये 30 प्रतिशत के क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। 23 वर्ष में पहली बार भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्यवाही हो रही है। 23 वर्ष में पहली बार राजस्व पुलिस की जगह रेगुलर पुलिस की तैनाती की जा रही है। 23 वर्ष में पहली बार आपदा प्रबंधन पर विश्व स्तरीय कार्यक्रम उत्तराखंड में होने जा रहा है। 23 वर्ष में पहली बार उत्तराखंड, डेस्टिनेशन उत्तराखंड के रूप में निवेश का हब बनने जा रहा है। हमने जो मेहनत की है, वो आपके सामने है और हमारा संकल्प है कि हम इस प्रकार के कार्य करते रहेंगे। हमारी सरकार का एकमात्र लक्ष्य है-उत्तराखंड का विकास। हमारा एकमात्र ध्येय है-उत्तराखंड की प्रगति, अपने इस ध्येय की प्राप्ति के लिए हम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आपकी सेवा में जुटे हुए हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की कि प्रदेश की मातृशक्ति के समग्र विकास एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से हमने ''महिला नीति'' बनाई गई है, जिसको शीघ्र ही लागू किया जाएगा। देवभूमि के भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु ''बाल श्रम उन्मूलन'' के लिए समस्त विभागों के समन्वय के साथ एक विशिष्ट कार्ययोजना बनाई जाएगी। ड्रग फ्री उत्तराखंड के स्वप्न को साकार करने के लिए हम ''नशा मुक्त ग्राम'' और ''नशा मुक्त शहर'' की योजना लाएं हैं, ऐसे क्षेत्रों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। राज्य निर्माण में मातृशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और महिलाएं हमारे राज्य की रीढ़ हैं। जरूरतमंद परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने हेतु ''मुख्यमंत्री कन्या सामूहिक विवाह'' योजना शुरू की जाएगी। जिला स्तर पर इस तरह के आयोजन किए जाएंगे और राज्य सरकार इसकी व्यवस्था करेगी।राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा राज्य की चार विभूतियों को उत्तराखण्ड गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। माधुरी बड़थ्वाल, बसंती बिष्ट, सचिदानन्द भारतीय तथा राजेन्द्र सिंह बिष्ट को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा हेतु उत्तराखण्ड गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

पुलिस लाईन देहरादून में आयोजित राज्य स्थापना दिवस के भव्य कार्यक्रम में मा. राष्ट्रपति महोदया द्वारा परेड का निरीक्षण एवं मार्च पास्ट किया गया। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा मा. राष्ट्रपति को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड की उपलब्धियों के बारे में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उत्तराखंड के विभिन्न विभागों द्वारा झांकियों का प्रदर्शन एवं उत्तराखंड पुलिस द्वारा साहसिक प्रदर्शन किया गया। राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सुबोध उनियाल, डा0 धन सिंह रावत, प्रेमचंद अग्रवाल, विधायक खजान दास मुख्य सचिव डा0 एस एस संधू, डीजीपी अशोक कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित थे।

राज्य स्थापना दिवस पर सम्मानित किये गये आंदोलनकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

काशीपुर । राज्य स्थापना दिवस पर राज्य आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। गुरुवार को तहसील में तहसीलदार पंकज चंदोला ने राज्य आंदोलनकारी नीरज गुप्ता व भारत छाबड़ा को सम्मानित किया। उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में राज्य स्थापना दिवस पर छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विद्यर्थियों समेत शिक्षक-शिक्षिकाओं ने राज्य की भौगोलिक स्थिति, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत समेत पर्यटन क्षेत्रों की महत्ता पर चर्चा की। यहां प्रधानाचार्य ब्रजेश कुमार गुप्ता, वरिष्ठ प्रवक्ता रोशनलाल वर्मा, श्रवण कुमार मिश्रा, महेश चंद्र आर्य, मनोज शर्मा, रणधीर, दीपक शर्मा, मनोज सक्सेना, कौशलेश गुप्ता, मनोज विश्नोई आदि मौजूद रहे। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में भी राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान कॉलेज की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं जीजीआईसी में कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या गीता जायसवाल ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया।

छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, नाटक, भाषण आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। यहां एनएसएस प्रभारी प्रमिला भारती, दीपा, डॉक्टर मीनाक्षी, भावना सक्सेना, माया पाठक, कुसुम सेमवाल, रश्मि भारती आदि मौजूद रहे। वहीं नगर निगम, पॉलीटेक्निक, समेत अन्य स्कूलों, विभागों व संस्थानों में भी राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया।

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने बेटी राशी के साथ किए बदरी-केदार के दर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 10 नवंबर : चार धाम यात्रा अब अंतिम चरण में है। बदरीनाथ-केदारनाथ धाम में बर्फबारी के बाद यहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है, लेकिन इसके बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में किसी तरह की कमी नहीं आई है। बदरीनाथ धाम में फिल्म, राजनीति और बिजनेस वर्ल्ड से जुड़े बड़े चेहरों की आवाजाही लगी हुई है। इसी कड़ी में फिल्म अभिनेत्री रवीना टंडन अपनी बेटी के साथ बदरीनाथ-केदारनाथ के दर्शनों के लिए पहुंची। उन्होंने पहले भगवान केदारनाथ के दर्शन किये।

बाबा केदार का आशीर्वाद लेने के बाद रवीना टंडन ने दोपहर में बदरीनाथ धाम के दर्शन किए। बीते दिन अभिनेत्री रवीना टंडन अपनी बेटी राशी के साथ बदरीनाथ धाम पहुंची। रवीना बीते दिन देर शाम मुंबई से देहरादून आई थीं। जिसके बाद उन्होंने बदरीनाथ और केदारनाथ धाम के दर्शन किए। रवीना टंडन के अलावा पीलीभीत सांसद वरुण गांधी भी अपने परिवार संग बदरीनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने धाम में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने केदारनाथ धाम के भी दर्शन किए। बता दें कि बीते दिन मैनपुरी से सांसद एवं यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव भी भगवान बद्रीविशाल के दर्शन के लिए पहुंचीं थीं। कुछ दिन पहले वह परिवार संग केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए भी गई थीं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी केदारनाथ मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इससे पहले सोमवार सुबह राहुल गांधी ने केदारनाथ मंदिर के पास आदि गुरु शंकराचार्य समाधि स्थल के दर्शन किए।

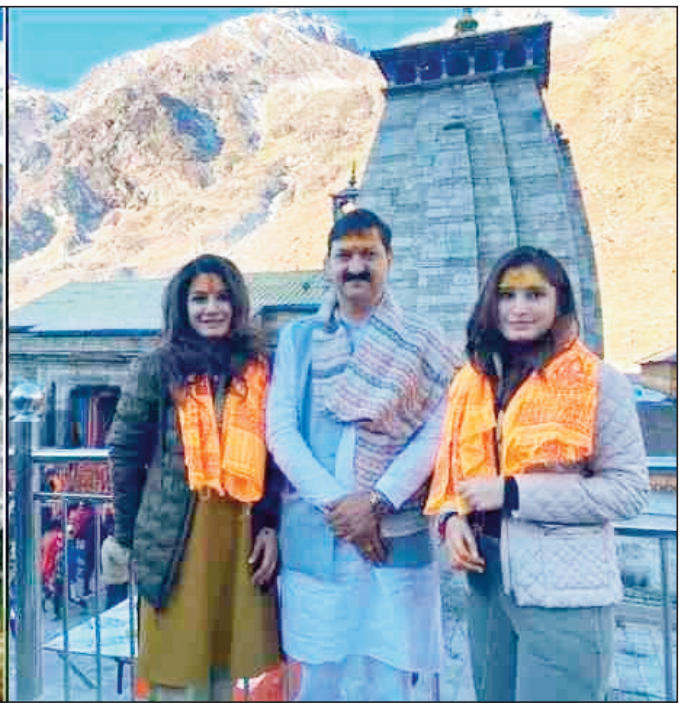

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी पढ़ाएगी अम्बानी मैनेजमेंट और चाणक्य नीति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 नवंबर , इलाहाबाद विश्वविद्यालय की बेहतर शिक्षा प्रणाली के चर्चे हर जगह होते हैं. इन सबके बीच एक बार फिर विश्वविद्यालय की ओर से एक ऐसे कोर्स की शुरुआत की जा रही है, जिसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है.

छात्रों को अष्टांग योग भी सिखाया जाएगा

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में कॉमर्स डिपार्टमेंट की तरफ से कॉमर्स की पढ़ाई करने वाले छात्रों की सुविधा के लिए एक खास तरह का कोर्स शुरू किया गया है. जिसमें छात्रों को भगवद गीता, रामायण और उपनिषदों के साथ-साथ चाणक्य नीति का ज्ञान दिया जाएगा. एक अध्ययन के तहत छात्रों को भगवान श्री कृष्ण के मैनेजमेंट मंत्र यानी प्रबंधन मंत्र को सिखाया जाएगा.

इसके साथ ही आपको बता दें कि इस सत्र के स्पेशल कोर्स को करने वाले छात्र सबसे पहले देश के जाने माने और बड़े उद्योगपति जैसे जेआरडी टाटा, अजीम प्रेमजी, धीरूभाई अंबानी, नारायण मूर्ति, सुनील मित्तल और बिड़ला के स्मार्ट प्रबंधकीय फैसलों की जानकारी दी जाएगी और उसका अध्ययन कराया जाएगा.आपको बता दें कि कॉमर्स विभाग ने पिछले महीने से 26 छात्रों के साथ इस स्पेशल कोर्स को शुरू किया है, जिसमें 10 सेमेस्टर होंगे जो 220 क्रेडिट के होंगे. इसमें मल्टीपल एंट्री, एग्जिट सिस्टम लागू किया जाएगा

इसी के साथ अगर कोई छात्र कोर्स शुरू के पहले साल में अपनी पढ़ाई छोड़ता है तो उसे 1 साल का सर्टिफिकेट मिलेगा. इसी के साथ यदि दूसरे साल छोड़ता है तो डिप्लोमा, तीसरे साल में बीबीए की डिग्री और पांचवें साल में एमबीए की डिग्री मिलेगी.छात्रों के मन को शांत रखने के लिए सिखाया जाएगा 'अष्टांग योग'इस कोर्स के जरिए छात्रों को भगवान श्री कृष्ण के मैनेजमेंट मंत्र के साथ-साथ विभाग की ओर से अध्यात्म से जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है. इस कोर्स को करने वाले छात्रों को अष्टांग योग भी सिखाया जाएगा, जिसके सहारे छात्र किसी कठिन परिस्थिति में चिंताओं से जूझ रहे मन को शांत रखने में मदद करेंगे.

सत्र की शुरुआत में बड़े उद्योगपति के स्मार्ट मैनेजमेंट की मिलेगी जानकारी

मिली जानकारी के अनुसार, कॉमर्स डिपार्टमेंट की ओर से शुरू किया गया ये कोर्स इसी शैक्षणिक सत्र से शुरू किया गया है, जिसमें पांच साल का संपूर्ण BBA-MBA पाठ्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसके साथ ही आपको बता दें कि इस सत्र के स्पेशल कोर्स को करने वाले छात्र सबसे पहले देश के जाने माने और बड़े उद्योगपति जैसे जेआरडी टाटा, अजीम प्रेमजी, धीरूभाई अंबानी, नारायण मूर्ति, सुनील मित्तल और बिड़ला के स्मार्ट प्रबंधकीय फैसलों की जानकारी दी जाएगी और उसका अध्ययन कराया जाएगा।

दिन में सोने से काला मोतियाबिंद का खतरा, रिचर्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 नवंबर : रात में भरपूर नींद न ले पाना, दिन में नींद आना और खर्राटे भरने से आंखों पर बुरा असर पड़ता है। लंबे समय तक यह समस्या होने पर ग्लूकोमा (काला मोतियाबिंद) होने का जोखिम बढ़ जाता है। समय पर इलाज न मिल पाने से दृष्टिहीनता का भी खतरा बढ़ जाता है ग्लूकोमा के कारण आंखों की रोशनी चले जाने के बाद दोबारा नहीं लौटती है। शोधकर्ताओं ने बताया है कि भरपूर नींद न लेने की स्थिति में यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है।बुजुर्गों विशेषकर पुरुषों धूम्रपान करने वालों में यह आम समस्या है। बीएमसी ओपन जर्नल में प्रकाशित शोध में ब्रिटेन के बायो बैंक अध्ययन में भाग लेने वाले 4 लाख से ज्यादा लोगों के डेटा का आकलन किया गया। इस स्टडी में 40 से 69 आयु वर्ग के लोगों को शामिल किया गया था। अध्ययन में शामिल लोगों से उनकी नींद की आदतों के बारे में जानकारी जमा की गई। 2010 से 2021 तक चले इस अध्ययन के दौरान

8,690 मामलों की पहचान की गई। आंकड़ों के आधार पर शोधकर्ताओं ने पाया कि स्वस्थ नींद पैटर्न वाले लोगों की तुलना में खर्राटे और दिन की नींद में ग्लूकोमा का जोखिम 11% बढ़ गया। वहीं, अनिद्रा और छोटी या लंबी नींद लेने वालों में यह जोखिम 13% तक बढ़ गया था। अच्छी नींद न होने से निर्णय लेने की क्षमता, स्वभाव, सीखने की क्षमता और याददाश्त पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, 2040 तक दुनिया भर में 11.2 करोड़ लोग ग्लूकोमा से प्रभावित हो सकते है।

सांसद हरिद्वार रमेश पोखरियाल निशंक ने किया ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय के 23वें राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों का शुभारम्भ

हरिद्वार। डॉ0 रमेश पोखरियाल निशंक पूर्व शिक्षा मंत्री भारत सरकार, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड, सांसद हरिद्वार ने बृहस्पतिवार को ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय में 23वें राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का फीता काटकर एवं मांगल गीत के बीच दीप प्रज्ज्वलित कर भव्य शुभारम्भ किया। हरिद्वार सांसद डॉ0 रमेश पोखरियाल ''निशंक''ने राज्य स्थापना दिवस समारोह की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना देते हुये कहा कि उत्तराखण्ड धरती का स्वर्ग है। हमारा राज्य पूरी दुनिया में सबसे सुन्दर है तथा यह पूरी वसुधा का हृदय है। उन्होंने कहा कि आज यहां विभिन्न स्कूलों-कॉलेजों, संस्थाओं आदि के बच्चों ने जो शानदार प्रस्तुतियां दी हैं, ये बच्चे भविष्य में हर क्षेत्र में उत्तराखण्ड तथा हमारे देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष के स्थापना दिवस समारोहों को पूरे एक सप्ताह तक मनाया जायेगा। हरिद्वार सांसद ने कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड को मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी देने के लिये हर स्तर पर काम जारी है। चाहे वह हवाई पट्टी हो, सुरंग से कर्णप्रयाग तक रेल लाइन बिछाने का कार्य हो या फिर बागेश्वर तक रेल लाइन बिछाने आदि का कार्य हो सभी में कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा जनपद हरिद्वार में रिंग रोड का कार्य काफी तेजी से चल रहा है तथा हरिद्वार एक आदर्श जनपद बनने के लिये अग्रसर है।

डॉ0 रमेश पोखरियाल ''निशंक''ने कहा कि आज हम खुशी से राज्य स्थापना दिवस मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुशी बांटने से और बढ़ती है तथा गम बांटने से कम होता है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिन तथा वसुधैव कुटुम्बकम की बात करती है।

खेलो का जिक्र करते हुये डॉ0 निशंक ने कहा कि हमारे युवाओं ने खेलों के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति पूरे विश्व को लीडरशिप देने के लिये तैयार है तथा पाथेय बनकर हम पूरे विश्व को रास्ता दिखायेंगे।

राज्य स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्री किरण चौधरी तथा अध्यक्ष नगरपालिका शिवालिक नगर श्री राजीव शर्मा ने सम्बोधित किया। हरिद्वार सांसद डॉ0 रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न विभागों/संस्थाओं-समाज कल्याण, कृषि, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, संस्कृत विश्व विद्यालय हरिद्वार, पर्यटन, रेडक्रास, महिला कल्याण, स्वास्थ्य, नारी सशक्तिकरण, सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज मायापुर, एनसीसी, सेवा योजना आदि द्वारा लगभग 25 से अधिक विकासपरक एवं अलग-अलग थीम पर निर्मित झांकियों को आयुर्वेदिक महाविद्यालय से भीमगौड़ा बैराज की ओर हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। राज्य स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय के प्रांगण में समाज कल्याण, कृषि, मत्स्य, एकता स्वयं सहायता समूह, अक्षय ऊर्जा, स्वास्थ्य, जिला उद्योग, ग्रामीण उद्योग वेग वृद्धि परियोजना, पंजाब नेशनल बैंक, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी विकास, महिला कल्याण आदि ने स्टॉलों के माध्यम से अपने-अपने उत्पाद प्रदर्शित करने के साथ ही जन-कल्याणकारी जो भी योजनायें सरकार द्वारा संचालित की जा रही हैं, उनके सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी आगन्तुकों को दी।

क्या है जीपीएस एंकल मॉनिटर, जानिए कैसे काम करता है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 नवंबर , भारतीय पुलिस हाईटेक हो गई। देश में पहली बार सुनने में आया है कि सीमावर्ती राज्य की पुलिस अब यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (USA), यूनाइटेड किंगडम (UK), दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की तरह अपराधियों, खासकर आतंकियों को तोहफा देकर विदा करने लग गई। तोहफा भी ऐसा, जो जेल से जमानत पर छूटे अपराधी के लिए गले की फांस बन जाएगा। पहली बार जम्मू-कश्मीर पुलिस ने टेरर फंडिंग के मामले में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (UAPA) के आरोपी गुलाम मोहम्मद भट को ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS) से लैस एक पायल पहनाई है और अब ऐसे ही हर किसी हार्ड कोर अपराधी के साथ होगा। आइए इस खास उपकरण के बारे में और महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करें कि यक कैसे काम करता है और अच्छाई के साथ-साथ इसकी क्या खामियां हैं।

कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है GPS ट्रैकिंग डिवाइस

दरअसल, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अपराधियों की निगरानी के लिए एक GPS डिवाइस प्रस्तुत किया है। यह एक ऐसा डिवाइस है, जिसे निगरानी योग्य किसी भी आदमी के पैर पर टखने के के पास इसे पहना

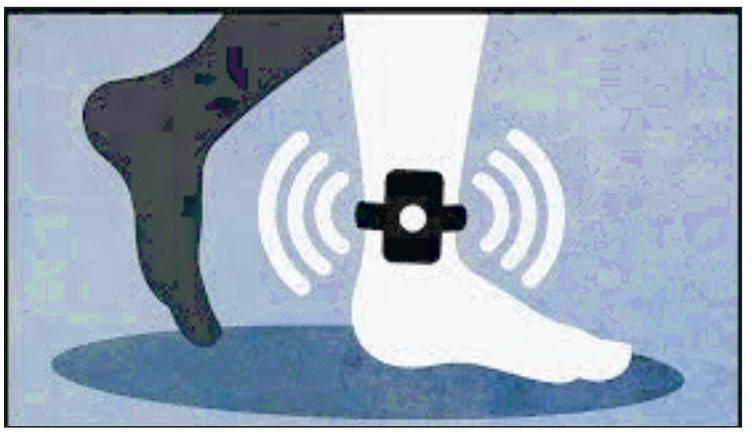

दिया जाता है। इसी की वजह से इसे जीपीएस ट्रैकर एंक्लेट के नाम से जाना जाता है। यह एक कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है और इसे इस्तेमाल करने के लिए एक खास नियम को फॉलो करना पड़ता है।

इलेक्ट्रॉनिक निगरानी आम तौर पर अपने पहनने वालों के स्थान को रिकॉर्ड करने के लिए टखने के कंगन, पायल या टेथर्स नामक उपकरणों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग करती है। इसमें मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे, परिवीक्षा और पैरोल पर सेवा दे रहे और इमिग्रेशन में दिक्कत का सामना करने वाले लोग शामिल हैं। जब किसी अपराधी को घर में नजरबंद करने की सजा मिलती है तो उसके लिए कई नियम होते हैं। ये वो शर्तें हैं, जिन्हें उन्हें कैद की बजाय घर में नजरबंदी के तहत अपनी सजा जारी रखने के लिए पूरा करना होगा। इसकी मदद से संबंधित आदमी की हर गतिविधि पर एकदम वास्तविक समय में नजर रखी जाती है।

हालांकि सरकार द्वारा इलेक्ट्रॉनिक निगरानी का उपयोग पहले से ही बढ़ रहा था। 2005 से 2015 तक, उपयोग में आने वाले सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरों की संख्या में 140 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बाद में COVID-19 ने इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के लिए और भी बड़ा बाजार तैयार किया है। 2020 में जैसे ही दुनिया COVID-19 के उद्भव से जूझ रही थी, जेलें और जेलें प्रकोप के लिए हॉटस्पॉट बन गईं। बीमारी के प्रसार को धीमा करने के लिए, और मुकदमेबाजी के खतरे के तहत, कुछ न्यायालयों ने कैद के विकल्प तलाशने शुरू कर दिए, और उत्तर के रूप में इलेक्ट्रॉनिक निगरानी की ओर रुख किया। विदेशों में यह तकनीक फल-फूली और कहीं-कहीं नाकाम भी हुई, वहीं अब भारत में पहली बार इस्तेमाल में ला रही जम्मू-कश्मीर पुलिस के इस प्रयास का उद्देश्य बेल जंपिंग की घटनाओं पर काबू पाना है।

अदालत एंकल मॉनिटर को उन मापदंडों के साथ कैलिब्रेट करती है, जो अदालत ने सजा के लिए निर्धारित किए हैं। इस जानकारी का उपयोग करते हुए जीपीएस एंकल मॉनिटर नियम तोड़ने के मामले में अपराधी और सतर्क अधिकारियों को ट्रैक करेगा। जीपीएस एंकल मॉनिटर में एक जीपीएस चिप और एक सिम कार्ड होता है। ये घटक अपराधी की पहचान करते हैं और इस बात पर नज़र रखते हैं कि वे कहां हैं। साथ में वे एक बंद सर्किट बनाते हैं। अगर अपराधी मॉनिटर को हटाने का प्रयास करता है तो यह सर्किट टूट जाता है। यह टूटा हुआ सर्किट अधिकारियों के लिए खतरे की घंटी बजाता है।

कुर्सी पर नींद आ जाती है, बिस्तर पर नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 नवंबर , दिन भर की थकावट के बाद जब आप घर लौटते हैं, टीवी चालू करते हैं और कुर्सी पर बैठते हैं तो तुरंत मीठी-मीठी नींद आ जाती है. लेकिन जब कोई आपको कहता है, जाकर आराम से बिस्तर पर सो जाओ और आप उठकर अपने आरामदायक और शांत बेड पर आकर लेटते हैं, तो आप पाते हैं कि आपकी नींद फुर्र हो चुकी है. आप सीलिंग फैन देखते हुए सोने की कोशिश करते हैं लेकिन नहीं सो पाते. आप आंख बंद करके पड़े रहते हैं लेकिन नहीं सो पाते. यदि नींद नहीं आ रही थी तो आखिर उस वक्त ऐसा क्या था कि आप सोफे पर आराम से बेहद सुकूनदायक नींद में समा गए थे? इसका जवाब वेबसाइट में छपी एक रिपोर्ट में मिलता है.

जानकार इसका कारण बता रहे हैं स्लीप प्रेशर

इसका सामना उम्र बढ़ने के साथ साथ ज्यादा किया जाता है. जैसे-जैसे हमारे जगे रहने का समय बढ़ता है, हमारे शरीर में नींद के लिए दबाव (होमियोस्टैटिक स्लीप ड्राइव) बनता चला जाता है. हम जितनी देर तक जागते रहते हैं, यह दबाव उतना ही मजबूत होता जाता है और नींद के दौरान यह कम हो जाता है. एक गहरी अच्छी पूरी रात की नींद के बाद यह सबसे कम लेवल पर पहुंच जाता है. यह एक प्रकार की बॉयलॉजिकल ड्राइव है जो नींद लाती है. बता दें कि आपकी बॉडी क्लॉक (body clock) या सर्केडियन राइम (circadian rhythm) इससे अलग है और वह भी नींद को प्रभावित करती है. ये ही शरीर को बताती है कि रात के समय सोना है और दिन के समय जागना है.

आपका पूरा का पूरा वातावरण इस दिशा में दुश्मन या दोस्त साबित होता है कि आपको नींद कैसी आएगी. हो सकता है आपने बस खाना खाया हो, या फिर अपने घर के कमरे में सोफे पर बैठे हों, हल्की लाइट जल रही हो, शायद टीवी या रेडियो भी धीमी आवाज में बज रहा हो और आपको नींद आ जाए. दरअसल आपकी सर्केडियन क्लॉक आपके दिमाग को यह संदेश पहुंचाती है कि सोने का समय हो गया है, सब शांत है और सूकूनदायक है.

सोफे पर झपकी लेने के बाद क्या होता है...

सोफे पर झपकी आ जाती है तो जान लें कि इसके बाद असल में होता क्या है. दरअसल बिस्तर पर जाने से पहले आपने यदि सोफे पर झपकी ले ली है, तो आपकी नींद का दबाव आपकी झपकी से पहले की तुलना में बहुत कम होने हो जाता है. 16 घंटे से अधिक जागने के बजाय, एक प्रकार से आप अभी-अभी तो उठे हैं. आपकी बॉडी इसके लिए तैयार नहीं थी ऐसा हो सकता है. और यही वजह है कि इसी लिए नींद का दबाव कम होता है. यदि आप बस

पांच मिनट के लिए सोफे पर सो गए तो आपको बिस्तर पर सोने में बहुत अधिक परेशानी नहीं होगी लेकिन इतनी कम झपकी से आपकी नींद का दबाव बहुत कम होने की संभावना नहीं है. हालांकि अगर आप एक घंटे तक सोए रहे, तो यह एक अलग कहानी हो सकती है.

अंतर सचिवालय टी-20 मोनाल कप सचिवालय हरीकेन ने जीता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 नवंबर , महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड रायपुर देहरादून में अन्तर सचिवालय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच सचिवालय हरिकेन नें 69 रन से जीता। फाइनल मैच सचिवालय हरिकेन एवम सचिवालय ए के बीच खेला गया। सचिवालय हरिकेन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में कुल 05 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाए। कपिल गंगवार ने शानदार 85, दिवाकर पंत ने 45 और अनुज चमोली ने नाबाद 16 रन बनाए। सचिवालय ए की तरफ से गेंदबाजी में टिकराज ने 3 और हरीश सैनी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ए की टीम कुल 20 ओवरों में 09 विकेट के नुकसान पर 149 रन ही बना पाए। आशुतोष विमल ने 78, अनिल नेगी ने 26 रन बनाए। मुकेश रावत ने 4, ओमीश ने 2, अनुज और विनोद ने 1-1 विकेट लिए।

राज्य स्थापना दिवस पर मैच से पूर्व राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि देने के लिए मैदान में अनिल जोशी, अध्यक्ष, सचिवालय क्रिकेट क्लब, राजेंद्र रतूड़ी, सचिव, क्रिकेट क्लब, अनुज चमोली, सुनील लखेड़ा, अध्यक्ष सचिवालय संघ, जीतमणि पैन्यूली, करम राम, ललित जोशी एवम ललित जोशी उपस्थित रहे। मैच के बाद पुरस्कार वितरण अनिल जोशी, अध्यक्ष, सचिवालय क्रिकेट क्लब, राजेंद्र रतूड़ी, सचिव, अनुज चमोली, विनोद शर्मा, अतुल परमार द्वारा दिया गया।फाइटर ऑफ द मैच आशुतोष विमल को और मैन ऑफ द मैच कपिल गंगवार को दिया गया। जबकि मैन ऑफ द सीरीज- टिकराज सिंह, बेस्ट बॉलर- टिकराज सिंह, बेस्ट फील्डर- टिकराज सिंह, बेस्ट कीपर- वीरेंद्र रावत, बेस्ट बैट्समैन - सुनील मैंदोला रहे तथा फेयर प्ले अवार्ड- सचिवालय हरिकेन को दिया गया।

पिथौरागढ़ में दिवाली के लिए लागू हुआ नया ट्रैफिक प्लान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 10 नवंबर : 10 नवंबर को धनतेरस के साथ दीप महापर्व की शुरुआत हो जाएगी। त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में भीड़ बढ़ गई है। लोग खरीददारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं। सड़कों पर भीड़ बढ़ेगी तो जाहिर है जाम भी लगेगा। पिथौरागढ़ में भी ट्रैफिक व्यवस्था हांफने लगी है। अब यहां बाजारों में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए नया ट्रैफिक प्लान लागू कर दिया गया है। नया प्लान लागू हो जाएगा जो दीपावली समाप्त होने तक जारी रहेगा।

ट्रैफिक प्लान के तहत सुबह आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक बड़े वाहनों के शहर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। नगर के सिमलगैर, केमू स्टेशन, सुनार गली, धर्मशाला लाइन, नया बाजार में सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित है। पार्किंग के लिए भी प्लान लागू किया गया है। वड्डा से आने वाले वाहन घुपौड केरोसिन डिपो के पास पार्क होंगे। चंडाक रोड से आने वाले वाहन महात्मा गांधी मार्ग पर पार्क किए जाएंगे, अन्य वाहन पीडब्लूडी गेस्ट हाउस के पास पार्क होंगे। धारचूला रोड से आने वाले वाहन ग्रिफ बैंड और देव सिंह मैदान के पास पार्क होंगे।

जबकि सिल्थाम, बैंकरोड, घंटाकरण क्षेत्र के वाहन जिला अस्पताल के सामने पार्क होंगे। इसी तरह जीआइसी रोड, अपटेक तिराहा, चिमस्यानौला से आने वाले वाहन नगर पालिका के पास स्थित पार्किंग में पार्क किए जाएंगे। अगर आप भी खरीददारी के लिए बाजार जा रहे हैं तो ट्रैफिक प्लान का ध्यान रखें। इस बार 10 नवंबर को धनतेरस, 11 नवंबर को नरक चतुर्दशी, 12 नवंबर को बड़ी दीपावली, 13 नवंबर को सोमवती अमावस्या व 14 नवंबर को गोवर्धन पूजा है। 15 नवंबर को भैया दूज मनाया जाएगा। त्योहारी सीजन को देखते हुए शहर में ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। पुलिस ने लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की है।

यहाँ अनोखे तरीके से मनाई जाती है दिवाली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिवाली भारत के सबसे बड़े पर्व में गिना जाता है. सालभर लोग इस त्योहार का इंतजार करते हैं. इसी दिन भगवान राम अयोध्या नगरी को लौटे. उनके आने की खुशी में लोगों ने दीपमाला करके स्वागत किया था. इस त्योहार पर पूरा भारत दीयों की रोशनी से जगमगा उठता है. खासकर अयोध्या में तो दिवाली का नजारा ही अलग होता है. यहां लाखों दिए एक-साथ जगमगाते हैं.

दिवाली के त्योहार को लोग बुराई पर अच्छाई की जीत का जश्न मानते हैं. लेकिन दिवाली का त्योहार न सिर्फ भारत बल्कि दुनियाभर के देशों में धूमधाम से मनाया जाता है. आइए आपको दुनिया के उन देशों के बारे में बतातें हैं, जहां दिवाली का त्योहार बेहद अनोखे तरीके से मनाया जाता है.

जापान

जापान में दिवाली बेहद अलग अंदाज में मनाई जाती है. आपको जानकर हैराना होगी कि यहां लोग बगीचों में जाकर दिवाली के त्योहार को सेलिब्रेट करते हैं. दीए की जगह लोग यहां रंगीन

लालटेन का यूज करते हैं, और पेड़ों को सजाते हैं. जापान के लोगों का मानना है कि ऐसा करने से घर में सुख- समृद्धि और प्रगति होती है. यहां दिवाली के दिन लोग रात-भर डांस करते हैं और त्यौहार का लुत्फ उठाते हैं.

मलेशिया

मलेशिया में दिवाली को हरि दिवाली के नाम से जाना जाता है.मलेशिया में भी लोग दिवाली का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं. हालांकि, यहां की हिंदू आबादी ही दिवाली का त्योहार मनाती है. आंकड़ों के मुताबिक, मलेशिया की कुल आबादी 3.5 करोड़ के करीब है, जिसमें हिंदू आबादी कुल 21 लाख के आसपास बताई जाती है. यहां लोग अपने घर के बाहर कैंडल और दीए जलाते हैं. मलेशिया में लोग दिवाली के दिन पहले शरीर पर तेल लगाते हैं, फिर नहाते हैं.

श्रीलंका

श्रीलंका का नाम रामायण काल से जोड़कर देखा जाता है. श्रीलंका में भी बड़ी संख्या में हिन्दू लोग रहते हैं, यहां लोग दिवाली को लैम क्रियॉन्ग के नाम से मनाते हैं. यहां दिवाली का तरीका थोड़ा अलग है, लोग लैंपों में मोमबत्तियां, एक सिक्का और धूप रखते हैं और फिर इसे नदी में प्रवाहित कर देते हैं

धनतेरस से लेकर भाई-दूज तक की सारी डेट जानिए यहां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दिवाली पांच दिनों का पर्व है। ये पांच दिन हैं धनतेरस, छोटी दिवाली , बड़ी दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई-दूज । आइए जानते हैं ये पांचों पर्व किस दिन पड़ रहे हैं।

धनतेरस (10 नवंबर) त्रयोदशी तिथि का प्रारंभ - 10 नवंबर को 12: 35 PM त्रयोदशी तिथि का अंत- 11 नवंबर को 1: 57 PM पूजा का शुभ मुहूर्त- 10 नवंबर को 5:47 PM से 7:47 PM छोटी दिवाली या नरक चतुर्दशी (11 नवंबर)

छोटी दिवाली - 11 नवंबर 2023 को 1: 58 PM

बड़ी दिवाली - 12 नवंबर 2023 को 2: 43 PM पूजा का शुभ मुहूर्त-11 नवंबर को 4:49 PM से 6:48 PM दिवाली (12 नवंबर) अमावस्या तिथि प्रारंभः 12 नवंबर 2023 को 14:45 PM अमावस्या तिथि समाप्तः

13 नवंबर 2023 को 14:56 PM पूजा का शुभ मुहूर्त- 12 नवंबर 2023 को 05:28 से 08:07 PM (अमावस्या पूजा) लक्ष्मी पूजा शुभ मुहूर्त- 12 नवंबर 2023 को 05:39 बजे से सायं काल 07:33 बजे तक।

गोवर्धन पूजा (14 नवंबर)

तिथि प्रारंभ- 14 नवंबर 2023 को 04:18 PM तिथि समाप्त- 15 नवंबर 2023 को 01:47 PM गोवर्धन पूजा का शुभ मुहूर्त- 14 नवंबर को 8:43 AM

भाई दूज (15 नवबंर)

शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि का शुभारंभ- 14 नवंबर को 02: 35 PM शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि का अंत-15 नवंबर को 01:47 PM शुभ मुहूर्त-15 नवंबर को 10:45 AM से 12:05 AM

मंत्र

ॐ श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नमः।। ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीभयो नमः॥ क्षीरोदार्णवसम्भूते सुरासुरनमस्कृते। सर्वदेवमये मातर्गृहाणार्घ्य नमो नमः।।

संक्षिप्त खबरें

राज्य स्थापना दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहीदों को याद किया

रुडक़ी। भाजपा की ओर से राज्य स्थापना दिवस पर वीर शहीदों के बलिदानों को याद किया गया। दीप जलाकर उनको नमन किया। भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने वीर शहीदों के पद चिन्हों पर चलने के लिए सभी से आह्वान किया। भाजपा जिला कार्यालय पर उत्तराखंड स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति ने कहा कि उत्तराखंड राज्य की स्थापना हमारे वीर शहीदों के बलिदानों पर की गई है। इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि वीर जवानों को याद कर और उनसे प्रेरणा लेकर सभी को आगे बढ़ाना चाहिए।

स्थापना दिवस पर पांच सत्र का शिविर आयोजित

रुडक़ी। राष्ट्रीय सेवा योजना की महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज सुरजन नगर ढंडेरा इकाई ने उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर एक दिवसीय शिविर लगाया। यह शिविर पांच सत्र में चला। प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों ने विद्यालय के प्रांगण में एवं विद्यालय के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया। द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रंजिश में रिश्तेदार का हाथ तोड़ा

रुडक़ी। सिविल लाइन्स कोतवाली को सिंचाई विभाग के शोध पर्यवेक्षक सुनील कुमार ने तहरीर देकर बताया कि वह आईआरआई कॉलोनी में परिवार के साथ रहते हैं। रविवार शाम को बाइक से सोलानी पार्क की ओर से गुजर रहे थे। इस बीच रिश्तेदार सुधांशु निवासी मलकपुर माजरा अपने साथियों के साथ बाइक से आया और उसे टक्कर मारकर गिरा दिया। सुधांशु ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी-डंडे से मारपीट कर उसका हाथ तोड़ दिया। बाद में जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

आंदोलनकारियों के सपने को साकार कर रही है धामी सरकार

रुडक़ी। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संघर्ष समिति एवं अशोक नगर क्षेत्रीय विकास समिति की ओर से उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की 23वीं वर्षगांठ धूमधाम के साथ मनाई गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद महाराज ने किया। उन्होंने कहा कि धामी सरकार आंदोलनकारियों के सपनों को साकार कर रही है। श्रीमती नीमा देवी काला पब्लिक स्कूल अशोक नगर परिसर क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

आंदोलनकारियों के सपने को साकार कर रही है धामी सरकार

रुडक़ी। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संघर्ष समिति एवं अशोक नगर क्षेत्रीय विकास समिति की ओर से उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की 23वीं वर्षगांठ धूमधाम के साथ मनाई गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद महाराज ने किया। उन्होंने कहा कि धामी सरकार आंदोलनकारियों के सपनों को साकार कर रही है। श्रीमती नीमा देवी काला पब्लिक स्कूल अशोक नगर परिसर क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

दिवाली मिलन समारोह में सफाई कर्मियों को सराहा

रुडक़ी। नगर पंचायत में दीपावली मिलन समारोह का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुबोध राकेश और अधिशासी अधिकारी हसीन नोशाद ने किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से नगर पंचायत के लोगों ने साथ दिया है, उससे विकास कार्यों को तेज गति मिली है। उन्होंने सफाई कर्मियों को दिवाली की बधाई दी। कहा कि कोरोनाकाल में सफाईकर्मियों ने जिस तरह से कार्य किया वह सराहनीय है।

केएलडीएवी में धूमधाम से मना राज्य स्थापना दिवस

रुडक़ी। केएलडीएवी कॉलेज में राष्टीय सेवा योजना इकाई द्वारा उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान रंगारंग कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। स्वयंसेविकाओं ने राज्य सांस्कृतिक नृत्य आदि की प्रस्तुति दी। महाविद्यालय में स्टेशनरी एवं साज-सज्जा की वस्तुओं का भी प्रदर्शनी लगाई गई।

दीवाली मिलन समारोह का आयोजन

रुडक़ी। राजहंस कला मंदिर की ओर से सिविल लाइंस के एक होटल में दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया गया। बच्चों के लिए विभिन्न खेल तथा प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसके साथ ही अफजल मंगलौरी, पंकज गर्ग, प्रेरणा कौमिद आदि ने काव्य पाठ किया। समारोह की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष राकेश गोयल ने की।

अगस्त्यमुनि में धूमधाम से मनाया गया राज्य स्थापना दिवस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड प्रदेश का 23वां स्थापना दिवस जनपद में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर सभी स्कूल-कॉलेजों के साथ ही अन्य संस्थानों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जबकि मुख्य कार्यक्रम अगस्त्यमुनि खेल मैदान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार शामिल हुए। आयोजन में मुख्य अतिथियों द्वारा जनपद के शहीद राज्य आंदोलनकारी यशोधर बेंजवाल की पत्नी उमा देवी बेंजवाल व अशोक कैशिव के भाई मनोज कैशिव को शॉल ओढक़र सम्मानित किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लाभार्थियों को पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। समारोह का उद्घाटन जिलाधिकारी ने राज्य ध्वज फहरा कर किया। जबकि दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा संचालित स्टॉलों का निरीक्षण किया। खेल मैदान में आयोजित मंदाकिनी शरदोत्सव में भी जिलाधिकारी ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह ने राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि राज्य बनाने से लेकर राज्य चलाने एवं आर्थिकी सुधार में मातृशक्ति का बड़ा योगदान है। हालांकि अब भी रोजगार के क्षेत्र में बड़े सुधार की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र एवं राज्य सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रही है। केदारनाथ विधायक शैला रानी रावत ने सभी को राज्य स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज गौरव का दिन है कि आज हम अगस्त्य ऋषि की तपोभूमि में राज्य स्थापना दिवस को मना रहे हैं। उन्होंने राज्य के गठन के लिए शहादत देने वाले शहीदों का याद किया। उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों को अपने क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपने देश-राज्य के लिए शरहद पर जाकर लडना ही विकल्प नहीं है, सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। कहा कि हमें युवा एवं ऊर्जावान जिलाधिकारी मिले हैं तथा जनता को भी उनसे काफी उम्मीदें हैं। कहा कि बाबा केदारनाथ धाम से हम सभी को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। इस बार जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने से रिकार्ड यात्रियों द्वारा बाबा केदारनाथ के दर्शन किए जो अपने आप में ऐतिहासिक क्षण हैं। एनसीसी, एनएसएस सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट किया गया। युवा कल्याण विभाग द्वारा क्षेत्र की विभिन्न महिला मंगल दलों एवं सूचना विभाग की टीम व विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष अगस्त्यमुनि अरुणा बेंजवाल, ब्लॉक प्रमुख विजया देवी व जिलाध्यक्ष भाजपा महावीर सिंह पंवार ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में नंप केदारनाथ अध्यक्ष देवप्रकाश सेमवाल, बीकेटीसी सदस्य श्रीनिवास पोस्ती, पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे, मुख्य विकास अधिकारी नरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी बीर सिंह बुदियाल, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार, मुख्य शिक्षा अधिकारी हेमलता भट्ट, उप जिलाधिकारी आशीष घिल्डियाल, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध घिल्डियाल सहित सभी अधिकारी मौजूद थे।

संपादकीय

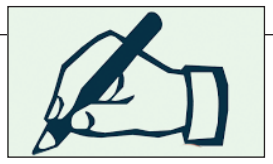

नीतीश की अमर्यादित भाषा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दोनों सदनों में महिला के प्रजनन अधिकारों पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया है, जिसे अभद्र, अमर्यादित, असंसदीय और अंततः अश्लील करार दिया जा सकता है। वह भाषा न तो लिख कर दोहराई जा सकती है और न ही कही जा सकती है। परिवार में भी इतनी मर्यादा और परदा रखा जाता है कि ऐसी भाषा को साझा नहीं किया जा सकता। ऐसे शर्मसार और निर्लज्ज बयान देने वाले नीतीश कुमार कमोबेश देश के पहले मुख्यमंत्री हैं। वह नौसीखिया राजनीतिज्ञ नहीं हैं, बल्कि बीते 18 सालों से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। 'सुशासन बाबू' विशेषण उनकी शख्सियत के साथ चिपका दिया गया है। बेशक 'लड़कियों के लिए साईकिल' और 'शराबबंदी' सरीखी योजनाएं उन्होंने बिहार में लागू कीं और पंचायत स्तर पर भी महिलाओं को आरक्षण दिया, लिहाजा नीतीश कुमार महिला वर्ग के 'चहेते मुख्यमंत्री' बने रहे हैं। उन्हें महिलाओं का भरपूर समर्थन भी मिलता रहा है, लेकिन स्त्री-पुरुष संबंधों और प्रजनन पर वह ऐसे 'प्रोफेसर' की मुद्रा में आ गए मानो मेडिकल के छात्रों को पढ़ा रहे हों! प्रोफेसर की भाषा भी ऐसी नहीं होती। मर्यादा क्यों जरूरी है आखिर? विधानसभा और विधान परिषद में इसकी क्या जरूरत थी? वे सदन सरकार की नीतियों पर विमर्श करने के लिए हैं। वहां मुख्यमंत्री 'गुप्त ज्ञान' नहीं बांट सकते। मुख्यमंत्री ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल नहीं कर सकते कि एक महिला मंत्री को मुंह छिपाना पड़े और एक महिला विधायक की रुलाई फूट पड़े। मुख्यमंत्री का चरित्र देखिए कि जब वह मर्यादाओं को लांघ रहे थे, तब मुस्करा भी रहे थे और सदन में कुछ पुरुष विधायकों ने ठहाके भी लगाए थे। लैंगिक अधिकारों के संदर्भ आते हैं, तो यह भारतीय राजनीति का चरित्र बार-बार उभर कर सामने आता है। नीतीश को 'सज्जन नेता' माना जाता रहा है, लेकिन अब उससे भी मोहभंग हो गया है। बेशक मुख्यमंत्री ने खुद अपनी निंदा की है, शर्म महसूस की है, दुख भी प्रकट किया है और माफी मांगते हुए अपने शब्द वापस लिए हैं, लेकिन साथ में यह भी जोड़ दिया गया है कि 'अगर किसी को तकलीफ... ।' यह हास्यास्पद राजनीति है। दरअसल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय सर्वेक्षण के संदर्भ में मांग की थी कि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों का कुल आरक्षण 65 फीसदी किया जाए। सवर्णों के लिए 10 फीसदी आरक्षण भी है, लिहाजा आरक्षण की कुल सीमा 75 फीसदी की जाए। बिहार के 'पिछड़ावादी' मुख्यमंत्री लालू यादव, राबड़ी देवी, नीतीश कुमार कोटे के अलावा और क्या जानते हैं? और इसके अलावा बिहार को उन्होंने क्या दिया है? बिहार में सबसे अधिक करीब 35 फीसदी लोग गरीब हैं। प्रति व्यक्ति आय 54,383 रुपए है। औसतन 55 फीसदी छात्राएं ही साक्षर हैं, जबकि ग्रेजुएट का औसत मात्र 7 फीसदी है। बहुत बड़ी संख्या में बिहारी लोग मजदूरी करने या रिक्शा चलाने बड़े शहरों को पलायन कर जाते हैं। ग्रेजुएशन की डिग्री 4-5 साल में भी मिल जाए, तो गनीमत है। मुख्यमंत्री ने इन सब तथ्यों से आंख मूंद रखी है। अच्छा है कि ज्यादा महिलाएं शिक्षित हो रही हैं, लिहाजा प्रजनन दर को कम किया गया है। जनसंख्या की दर 4.3 से घटकर 2.9 हो गई है। ये आंकड़े बिहार के अधिकृत ब्योरे हो सकते हैं, लेकिन हम इन तथ्यों पर भी भरोसा नहीं करते।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

सरकार राज्य आन्दोलनकारियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध

पौड़ी। उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस की 23 वीं वर्षगांठ पर रामलीला मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक ने उत्तराखण्ड राज्य अन्दोलनकारियों व आन्दोलन में शहीदों के परिजनों को नमन करते हुए शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। गुरुवार को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर विधायक राजकुमार पोरी ने एजेंसी चौक के पास शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ ही उन्होंने एजेंसी चौक में स्कूली बच्चों की रैली को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद रामलीला मैदान में विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया। विधायक ने कहा कि पौड़ी जिला ऐतिहासिक होने के साथ-साथ उत्तराखण्ड राज्य आन्दोलन की आधार भूमि है यहीं से उत्तराखण्ड राज्य अन्दोलन की मांग की चिंगारी उठी थी। कहा कि प्रदेश सरकार राज्य आन्दोलनकारियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य बनने के बाद जिले के दूरस्थ गांवों के आखरी व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा रहा है साथ ही जरुरतमंद व पात्र व्यक्ति को इनका भरपूर लाभ मिल पा रहा है। डीएम डा. आशीष चौहान ने कहा कि राज्य बनाने में राज्य आंदोलनकारियों की अहम भूमिका रही है। राज्य जिस तरह से विकास की ओर प्रतिदिन बढ़ रहा है उसी तरह एक दिन उत्तराखंड प्रदेश देश-विदेशों में एक अलग पहचान बनाएगा। इस दौरान 14 दिव्यांगजनों को कृत्रिम उपकरण, 15 किशोरी किट व 5 मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट के अलावा निबंध प्रतियोगिता में अव्वल प्रतिभागियों को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अवैध शिकार, प्रदूषण से बढ़ रहा मानव वन्य जीव संघर्ष

पौड़ी। डा.शिवानंद नौटियाल राजकीय महाविद्यालय वेदीखाल में उत्तराखंड कौंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के तत्वावधान में जन समुदाय को वन्य जीवों के महत्व व खतरे से जागरूक करने को लेकर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वन्य जीवों के महत्व व खतरे के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महाविद्यालय परिसर में आयोजित गोष्ठी के समंवयक व जंतु विज्ञान के प्रो. सुशील भदूला ने बताया कि कुछ सालों से मानव वन्य जीवों के मध्य संघर्ष बढ़ा है। मानव वन्य जीवों के आवास का क्षरण, अवैध शिकार, पर्यावरण प्रदूषण आदि मानव वन्य जीवों के मध्य संघर्ष के प्रमुख कारण है।

संक्षिप्त खबरें

डीएम की पत्नी ने आंगनबाड़ी चोपडिय़ाल गांव में बांटे नैपकिन

नई टिहरी। डीएम मयूरी दीक्षित की पत्नी प्रज्ञा दीक्षित ने गुरूवार को ब्लाक चंबा के आंगनबाड़ी केंद्र चोपडियाल गांव में पहुंचकर यहां पर मौजूद महिलाओं व छात्राओं को माहवारी को लेकर जानकारियां देते हुए सैनिटरी पैपकिनों का वितरण किया। आंगनवाड़ी केंद्र चोपडियाल गांव में पहुंची प्रज्ञा दीक्षित ने पहुंचकर किशोरियों व महिलाओं को माहवारी के बारे में आवश्यक जानकारी देते हुए इस दौरान होने वाली परेशानियों को लेकर अहम जानकारियां दीं। उन्होंने माहवारी के प्रति जागरूक करते हुए सैनिटरी नैपकिन के फायदे, पीरियड्स के दौरान होने वाले शारीरिक परिवर्तन व पोषण आहार को लेकर कई तरह की जानकारी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य दृष्टिगत सैनिटरी नैपकिन का उपयोग जरूरी है। इसके साथ ही साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने व हीमोग्लोबिन की नियमित जांच करवाने की बात कही। प्रज्ञा दीक्षित ने पहले भी अलग-अलग आंगनवाड़ी केंद्रों में पहुंचकर सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर महिलाओं को अहम जानकारियां दे चुकी हैं और दर्जनों विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों में नैपकिन वितरण का कार्य कर चुकी है। इस मौके पर सीडीपीओ ममता लेख, सुपरवाइजर भागीरथी पंवार, कविता, आंगनवाड़ी कार्यकत्री मधु, अध्यापिका सरिता सहित कई अन्य मौजूद रहे।

मॉरीशस में सम्मानित हुए डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल

नई टिहरी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रवीण जगन्नाथ की ओर से हिंदू सनातन धर्म के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान करने पर डॉ. शैलेंद्र प्रसाद उनियाल को सम्मानित किया गया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ परिसर, देवप्रयाग में असिटेंट प्रोफेसर डॉ. उनियाल मॉरीशस में हिंदू धर्म व संस्कृति की जानकारी युवाओं तक पहुंचाने के लिए विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर गए हैं। मॉरीशस में सनातन धर्म मन्दिर फेडरेशन की ओर से आयोजित दीपाली महोत्सव में प्रधानमंत्री जगन्नाथ ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. उनियाल 2016 से देवप्रयाग परिसर में वेद विभाग प्रमुख हैं। उप्र सरकार द्वारा वेद पंडित पुरस्कार प्राप्त डॉ. उनियाल ने वेदाचार्य में स्वर्णपदक हासिल किया है। वह पांच पुस्तकों का संपादन, 20 शोधपत्रों का प्रकाशन सहित 40 से अधिक राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सेमीनारो में प्रतिभाग कर चुके हैं। डॉ. उनियाल को सम्मानित किये जाने पर कुलपति श्रीनिवास बरखेडी, निदेशक प्रो. पीबी सुब्रह्मण्यम, प्रो. मनोज मिश्रा, डॉ. दयानंद सहित देवप्रयाग परिसर के समस्त प्राध्यापको, छात्र छात्राओ ने हर्ष हुए जताते गौरव का विषय बताया है।

राज्य आंदोलनकारियों का सम्मान किया

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर प्रतापनगर ब्लॉक मुख्यालय में ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद्र रमोला ने राज्य आंदोलनकारियों को सम्मानित किया। इससे पूर्व शहीद आंदोलनकारियों के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें याद किया गया। उन्होंने कहा कि अलग राज्य जिस उद्देश्य के लिये मांगा गया था,वह अभी तक अधूरा है। राज्य आंदोलनकारी मुरारी लाल खंडवाल , प्रेमदत्त जुयाल, देवी सिंह पंवार, वीर चंद रमोला, चन्द्र मोहन रांगड, भगवान सिंह राणा, भीमदत्त भट्ट, आदि को शॉल देकर सम्मानित किया गया। मौके पर तहसीलदार चंद्रमोहन पांडे, क्षेपंस पुरुषोत्तम पंवार ,हरी प्रसाद डिमरी, गुलाब सिंह, जसपाल सिंह, गौतम शाह, त्रेपन सिंह रौतेला, दीपक पंवार आदि उपस्थित थे।

कन्हैया को मिला पहला पीताम्बंर दत्त बड़थ्वाल स्वर्ण पदक

नई टिहरी। बीते बुधवार को आयोजित गढ़वाल विश्वविद्यालय के 11 वें दीक्षांत समारोह के आयोजन में स्वामी रामतीर्थ परिसर के हिंदी विभाग के छात्र कन्हैया जोशी को हिंदी विषय में सर्वोच्य अंक प्राप्त करने पर भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने प्रथम पीताम्बर दत्त बडथ्वाल स्वर्ण पदक से नवाजा है।कन्हैया जोशी ने इस पदक को हासिल करने का श्रेय अपने विभागाध्यक्ष डॉ अनूप सेमवाल सहित अन्य शिक्षकों को देते हुए बताया कि गुरूओं के सहयोग से वह इस पदक तक पहुंच पाये हैं। डा अनूप सेमवाल के कुशल निर्देशन का इस अहम रोल रहा है। कन्हैया जोशी के इस अचीवमेंट पर हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ अनूप सेमवाल ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि इस छात्र की मेहनत हिंदी विभाग के लिए विशेष उपलब्धि रही। स्वर्ण पदक प्राप्त छात्र कन्हैया जोशी ने विभागाध्यक्ष डॉ अनूप सेमवाल के निर्देशन में गढ़वाली लोकगाथाओं पर लघुशोध प्रबन्ध भी किया गया है। इस मौके पर हिंदी विभाग की सहायक शिक्षिका अर्पणा सिंह, राजेश्वरी चौधरी के द्वारा भी छात्र को बधाई प्रेषित की गई। परिसर निदेशक प्रो एए बौड़ाई ने स्वर्ण पदक प्राप्त छात्र कन्हैया जोशी को शुभाशीष देते हुए इसे हिंदी विभाग एवं परिसर के लिए बड़ी उपलब्धि बताया, साथ ही इसके लिए हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ अनूप सेमवाल एवं अन्य सभी विभागीय शिक्षकों की सराहना की। इस अवसर पर पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ हंसराज बिष्ट, राकेश कोठारी,डॉ दिनेश नेगी , डॉ आशा, डॉ अभिषेक पाण्डेय, डॉ हितेंद्र रावत ,डॉ अमित कश्यप, अंशुल भंडारी ,नम्रता मखलोगा, सोनल रावत, ललित डोभाल, हेमंत राणाकोटी,पंकज असवाल के साथ अन्य शिक्षकों,कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने भी स्वर्ण पदक प्राप्त छात्र कन्हैया जोशी को बधाई दी है।

टिहरी जिले में स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

नई टिहरी। टिहरी जिले के विभिन्न ब्लॉक और तहसीलों में प्रदेश की 23वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। स्कूली छात्रों ने प्रताभ फेरी निकाली,वहीं प्रशासन की ओर से शहीद सैनिकों और राज्य आंदोलनकारी और उनके परिजनों को शॉल देकर सम्मानित किया गया। गुरुवार को उत्तराखंड राज्य की 23 वीं वर्षगांठ पर घनसाली, थत्यूड़, नरेन्द्रनगर, देवप्रयाग, नरेन्द्रनगर, गजा कस्बे सहित विभिन्न ब्लॉक और तहसील मुख्यालयों में स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इससे पूर्व लोगों ने शहीदों के चित्र और स्मारकों पर फूलमाला चढक़र उन्हें याद किया गया। थत्यूड़ में ब्लॉक प्रमुख सीता रावत राज्य आंदोलनकारियों को सम्मान किया। गजा में शहीद बेलमति चौहान के मूर्ति पर गजा तहसीलदार रेनू सैनी सहित अन्य लोगों ने फूलमाला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। इसके साथ नरेन्द्रनगर, देवप्रयाग, घनसाली सहित अन्य जगहों पर धूमधाम से स्थापना दिवस मनाया गया। पीजी कॉलेज नई टिहरी में आयोजित गोष्ठी में शिक्षकों ने छात्रों को राज्य आंदोलन की जानकारी दी गई। जिसके बाद मिष्ठान वितरण किया गया। राज्य आंदोलकारियों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याओं को भी रखा। मौके पर तहसीलदार मंजू राजपूत, व्यापार मंडलध्यक्ष विनोद चौहान, सरिता भट्ट, महिपाल रावत, कुंवर सिंह चौहान, सोमवारी लाल नौटियाल,एसपी लेखवार, रमेश लेखवार, डॉ. सतेन्द्र ढौंडियाल, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ हर्ष नेगी, पूजा रावत, दिनेश चंद्र पांडेय, रेखा कुकरेती,गजेन्द्र खाती, मान सिंह चौहान, भगत सिंह, प्रशांत पंवार, सुरेश मोहन, प्रवीन सैनी, दिनेश्वर पालीवाल,ऊषा चौहान, शंकर कुमार, मुकेश पटेल सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

सीएम धामी की मौजूदगी में सजा गैरसैंण, दिखे भव्य नज़ारे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली , 10 नवंबर , उत्तराखण्ड़ राज्य स्थापना दिवस पर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी भराडीसैण (गैरसैण) विधानसभा के प्रागंण में भव्य रैतिक परेड़ का आयोजन किया गया। जहाँ स्कूली छात्र-छात्राओं के प्रस्तुति में उत्तराखण्ड़ की पैराणिक संस्कृति की झलक दिखी। उत्तराखण्ड़ राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के विधानसभा भवन भराडीसैण जनपद चमोली में भव्य रैतिक परेड एवं रंगारंग सास्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

भव्य रैतिक परेड का मान-प्रणाम

इस अवसर पर मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड़ पुष्कर सिंह धामी द्वारा चमोली पुलिस, आईआरबी तथा होमगार्ड के जवानों एवं एनसीसी के छात्रों द्वारा महिला बैण्ड की मधुर धुन से साथ प्रस्तुत भव्य रैतिक परेड का मान-प्रणाम ग्रहण कर परेड का निरीक्षण किया गया।मुख्यमंत्री द्वारा अनुशासित और भव्य रैतिक परेड के लिए पुलिस परिवार को बधाई देते हुए परेड की सराहना की गयी।

रैतिक परेड़ की कमान अपर पुलिस अधीक्षक संचार विपिन कुमार द्वारा सभांली गयी जिनकी बुलंद आवाज एवं बेहतर कमांड ने उपस्थित दर्शकों का ध्यान खींचा। भराडीसैण विधानसभा के प्रागंण में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं एवं अन्य संस्थानों से आए बाल कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें उत्तराखण्ड़ की पैराणिक संस्कृति की छलक दिखाई दी।

मुख्यमंत्री धामी ने अपने सम्बोधन में समस्त प्रदेशवासियों एवं कार्यक्रम में उपस्थित के लोगों को राज्य स्थापना की बधाई देते हुए उत्तराखण्ड़ राज्य निर्माण में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को नमन किया। इस अवसर कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, विधायक थराली भूपाल राम टम्टा, विधायक कर्णप्रयाग अनिल नौटियाल, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र करन सिंह नग्नयाल, जिलाधिकारी चमोली हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव (IPS), पुलिस उपाधीक्षक कर्णप्रयाग अमित सैनी, पुलिस उपाधीक्षक चमोली प्रमोद शाह सहित अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहें।

न्याय पंचायत सतेराखाल में खेल महाकुंभ शुरू

रुद्रप्रयाग। न्याय पंचायत सतेराखाल खेल महाकुंभ का रंगारंग कार्यक्रमों के साथ शुभारंभ हो गया है। जिसमें न्याय पंचायत के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने बढ़ चढक़र हिस्सा लिया। अंडर 17 में 800 मीटर दौड बालक वर्ग में पीयूष एवं 600 मीटर दौड बालिका वर्ग विजेता मानसी अब्बल रही। राइका मालतोली के क्रीड़ा मैदान में आयोजित न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ क्षेपंस हरीश लाल टमटा, विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष राजपाल सिंह नेगी एवं प्रधानाचार्य ओमप्रकाश सेमवाल ने संयुक्त रूप से किया। प्रधानाचार्य सेमवाल ने कहा कि हमें खेल भावना से खेलना चाहिए और हर प्रतियोगिता में आगे बढने का प्रयास करना चाहिए। कहा कि खेलों से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है। खेल महाकुंभ में नारी, खतेणा, स्युपुरी, दरम्वाड़ी एवं राजीव गांधी नवोदय विद्यालय मालतोली के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया?। इस अवसर पर कबड्डी, एथेलेटिक्स दौड, लम्बी कूद, गोला, फेंक, चक्का फेंक समेत कई खेलों का आयोजन किया गया। कबड्डी अंडर 14 बालक एवं बालिका वर्ग में राजीव गांधी नवोदय विद्यालय मालतोली एवं अंडर 17 बालक एवं बालिका वर्ग नारी के छात्र विजेता रहे। 100 मी दौड़ अंडर 17 मेघा राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, 100 मी बालक वर्ग अंडर 17 में अनुज ग्राम नारी, 200 मी बालक वर्ग अंडर 17 में गगन ग्राम नारी, 400 मी अंडर 17 ऋतुराज ग्राम नारी, 800 मी अंडर 17 विजेता पीयूष ग्राम खतेणा, 600 मी बालिका वर्ग में मानसी ग्राम स्युपुरी, लम्बी कूद अंडर 17 में सृष्टि ग्राम नारी एवं ऊंची कूद मेंसिया नवोदय विद्यालय मालतोली विजेता रही। इस अवसर पर संयोजक मंडल के व्यायाम शिक्षक अक्षित लौहान, आशीष चमोला, कुलदीप बिष्ट, विशन नेगी, मोहन सिंह पंवार, गिरीश जोशी, कीर्तन सिंह रौथाण, ललित मोहन सेमवाल, सुरेश मलासी, महिपाल लाल कोहली समेत कई छात्र मौजूद थे।

पौड़ी के तीन खिलाडिय़ों का नेशनल हॉकी के लिए चयन

पौड़ी। अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज हॉकी टीम में पौड़ी से तीन खिलाडियों का चयन उत्तराखंड की टीम में हुआ है। तीनों ही खिलाड़ी 15 से 24 नवंबर तक भुवनेश्वरी उड़ीसा में होने वाली नेशनल हॉकी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। शासन ने हॉकी टीम की अंतिम सूची जारी कर दी है। पौड़ी के तीन खिलाडियों का चयन होने पर खेल प्रेमियों ने भी खुशी जताई है। पौड़ी के इन तीनों खिलाडियों ने 18 सदस्यीय टीम में अपनी जगह बनाई है। पौड़ी से जो खिलाड़ी पुरुष हॉकी टीम में हैं, उनमें प्राइमरी स्कूल ख्वीड़ ब्लाक कल्जीखाल के शिक्षक शैलेंद्र रौथाण, खेल विभाग के कोच दीपक जोशी और महेश्वर सिंह शामिल है। शिक्षक शैलेंद्र रौथाण बीते साल भोपाल में आयोजित इसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुके है। तब उत्तराखंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी और उसे वेस्ट टीम का अवार्ड मिला था। इससे पूर्व रौथाण हॉकी नार्थ जोन में खेल चुके हैं। पौड़ी के जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप बिष्ट ने बताया कि महेश्वर सिंह और दीपक जोशी दोनों ही खेल विभाग में हॉकी के कोच है। जोशी पौड़ी और महेश्वर सिंह कोटद्वार में तैनात है। दोनों ही खिलाड़ी कई बार नेशनल खेल चुके है। दीपक जोशी कॉमन वेल्थ गेम 2022 में रेफरी भी रहे हैं। खिलाडियों का ट्रायल वंदना कटारिया स्टेडियम रोशनाबाद में हुआ था।

कठिन परिश्रम और दृढ़ इच्छा शक्ति से हुआ प्रदेश का निर्माण : कौशिक

हरिद्वार। भाजपाइयों ने चंद्राचार्य चौक पर राज्य स्थापना दिवस के मौके पर मिठाई वितरण कर पटाखे जलाकर खुशी मनाई। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के कठिन परिश्रम, प्रयासों, दृढ़ इच्छा शक्ति से ही राज्य का निर्माण हुआ है। उत्तराखंड के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए हमें हमारी विरासत के संरक्षण और समृद्धि के प्रति सदैव समर्पित रहना चाहिए। मंडल अध्यक्ष तरुण नैय्यर, राजेश शर्मा और हीरा सिंह बिष्ट ने कहा कि सरकार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर महिला मोर्चा उपाध्यक्ष प्रदेश अनु कक्कड़, जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी, राजकुमार अरोड़ा, सुनील शेट्टी, सचिन बेनीवाल, आकाश चौहान, विक्की आडवाणी, देवेश ममगईं, अनिमेष कुमार, तुषाक भट्ट, कपिल बालियान, मृदुला सिंगल, पूनम मांकन, अजय भारद्वाज, करुण मदन, आदित्य झा, करण वर्मा, कुणाल सिंह आदि शामिल रहे।

पांच महायोगों में आज मनेगी धनतेरस

रुडक़ी। धनतेरस पर इस बार पांच विशेष महायोग पडने से यह त्योहार बेहद सुख समृद्धि भरा होगा। लगभग 59 वर्षों के बाद धनतेरस पर गजकेसरी योग, कतरी शश योग, हर्ष उभयचारी योग, दुर्धर योग, धनलक्ष्मी योग बन रहे हैं। जो की त्योहार के हिसाब से बेहद उत्तम माने जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

लालढांग में राज्य स्थापना दिवस पर निकाली झांकी

हरिद्वार। पर्वतीय जन कल्याण संगठन की ओर से गाजीवाली पंचायत में राज्य स्थापना दिवस पर झांकी निकली गई। जिसमें क्षेत्र के राज्य आंदोलनकारियों सहित जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने दीप प्रज्ज्वलित कर आंदोलनकारियों को याद किया। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में राज्य स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है। आज प्रदेश में जो भी मंत्री, विधायक, ब्लॉक प्रमुख या फिर जिला पंचायत सदस्य बने हैं यह सब उन माता-बहनों और युवाओं के संघर्ष का परिणाम है, जिन्होंने लाठियां और गोलियां खाकर उत्तराखंड राज्य के लिए आंदोलन किया। उन्होंने कहा कि युवा मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में हमारा प्रदेश देश का नंबर वन प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित कुमार और जिला पंचायत सदस्य बृजमोहन पोखरियाल ने कहा कि विकास और समृद्धि के सपनों के साथ राज्य के लोगों ने इन वर्षों में नए उत्तराखंड को विकसित होते हुए देखा है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ग्रामीण राजीव चौधरी ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों ने जिस उद्देश्य राज्य गठन के लिए आंदोलन किया था, उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। इस मौके पर संयोजक संतोष सेमवाल, हेमा काला, पवन पंत, सुरेश काला, भुवन काला, तेगसिंह रावत, देवेंद्र सिंह नेगी, यशपाल सिंह, यशपाल रावत, श्रेष्ठ कुमार चौहान आदि शामिल रहे।

पतंजलि के माध्यम से आयुर्वेद को विश्वव्यापी बनाने का अभियान गतिमान है: बालकृष्ण

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आयुर्वेद को सर्वव्यापी और विश्वव्यापी बनाने का महान अभियान पतंजलि के माध्यम से गतिमान है। उन्होंने पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय के विद्यार्थियों को संकल्प दिलाया कि जब तक इस धरा पर पतंजलि का एक भी विद्यार्थी है तब तक आयुर्वेद की प्रतिष्ठा पर आंच नहीं आने देंगे। यह बात उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान (पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय) के तत्वावधान में धन्वंतरि जयंती की पूर्व संध्या पर 'आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जिस विधा से आप जुड़े हैं उसमें अनादिकाल से बहुत सामथ्र्य, शक्ति और प्रभाव है। आप पतंजलि से जितना भी ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं उसे मानवता की सेवा में समर्पित करें। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आज बड़े-बड़े अस्पतालों में आयुर्वेद के डिविजन खोले जा रहे हैं, जो मात्र एक कमरे तक ही सीमित है। यहां आयुर्वेद को छोटा बनाकर प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पतंजलि योगपीठ स्थित हॉस्पिटल अब इंटिग्रेटिड मेडिसिन सिस्टम का सबसे बड़ा केन्द्र बनने जा रहा है। यहां रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी से लेकर सभी इमरजेंसी सुविधाओं की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी।